प्रकाशनार्थ

पटना, 21 नवंबर: बिहार के माननीय उप-मुख्यमंत्रीऔरवित्तमंत्रीश्रीसुशीलकुमारमोदी की अध्यक्षतामेंबिहारमेंसूक्ष्मवित्त : स्थितिऔरभावीरास्तेविषय परपटना के पुरानासचिवालय के सभा कक्ष में एक कार्यशालाकाआयोजनकियागया।कार्यशालाकाआयोजनआर्थिकनीति एवंलोकवित्तकेंद्र (सीईपीपीएफ) तथाबिहारसरकार के वित्तविभाग द्वारासंयुक्त रूप से कियागयाथा।कार्यशालामेंबिहारसरकार के वरिष्ठअधिकारियों, बैंकिंग एवंवित्तीय क्षेत्र के वरिष्ठसदस्यों, शिक्षाविदोंऔर शोधकर्ताओंसमेतअनेक गण्यमान्य लोगउपस्थितथे।

अपनेअध्यक्षीय भाषणमेंमाननीय उप-मुख्यमंत्रीश्रीसुशीलकुमारमोदी ने कहाकि यह सचमुचप्रशंसा की बातहैकिसूक्ष्मवित्तसंस्थाओं के मामलेमेंदेशमेंतमिलनाडुऔरकर्नाटक के बादबिहारकाहीस्थानहै।उन्होंनेकहाकिसूक्ष्मवित्तमॉडल की भावनादस्तावेजसमर्थितकॉलेटरल से किसीभौगोलिक क्षेत्र मेंसमाज-समर्थितकॉलेटरल की दिशामेंबढ़ने की थी।उन्होंने यह भीकहाकिआज से सूक्ष्मवित्तसंस्थाओं के प्रतिनिधियोंकोराज्य-स्तरीय बैंकरसमिति की बैठकोंमेंउपस्थितरहनाचाहिए।उन्होंनेराज्य सरकार से सूक्ष्मवित्तपरबड़ासेमिनारआयोजितकरनेकाअनुरोध कियाजिसमेंसूक्ष्मवित्तसंस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ-साथलाभार्थीभीमौजूदहों।उन्होंनेजोरदेकरकहाकिवहभारतसरकार से सूक्ष्मवित्तसंस्थाओं के लिए ब्याजदर घटानेकाअनुरोध करेंगे।उन्होंनेइसमुद्देपरभीजोरदियाकिसूदखोरीकोबिहार से पूरीतरहसमाप्तकरदेनाचाहिए।वे यह जानकर खुशथेबिहारमेंसूक्ष्मवित्तसंस्थाओं के मामलेमेंकर्जवापसी की दर 99 प्रतिशत से भीअधिक है।

स्वागतभाषणकरतेहुए वित्तविभाग के प्रधानसचिवडॉ. एस. सिद्धार्थ (भाप्रसे) ने कहाकिकार्यशालाकाआयोजनबिहारमेंसूक्ष्मवित्तीयन की प्रक्रियाकोजानने के लिए कियागयाहै।नाबार्ड के सीजीएमश्रीअभिताभलाल ने कहाकिदेशमेंसूदखोरोंकासबसेअधिक जमावड़ादेश के 10 जिलोंमेंथाजिनमें से 5 जिलेबिहार के थे।भारतीय रिजर्वबैंक के क्षेत्रीय निदेशकश्रीदेवेशलाल ने सभीहितधारकोंको एक मंचपरलाने के कदम की प्रशंसाकी।उन्होंने यह भीकहाकिआमटेंप्लेटकाविकास एक अच्छाकदमहै।कार्यशालामें एमफिन, सहजा, सत्याआदिचित्रगुप्तफाइनांसलि. औरअन्य सूक्ष्मवित्तसंस्थाओं द्वाराप्रस्तुतियांदीगईं।कार्यशालामेंमौजूदअन्य महत्वपूर्णव्यक्तियोंमेंपशुपालन एवंमत्स्यपालनविभाग की प्रधानसचिवडॉ. एन विजयलक्ष्मी, ग्रामीणविकासविभाग के सचिवश्रीअरविंदचौधरीऔरवित्तविभाग के सचिवश्रीराहुल सिंह शामिलथे।आद्री के निदेशकप्रोफेसरप्रभातपी. घोष ने धन्यवादज्ञापनकिया।

(अंजनीकुमारवर्मा)